रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

23, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शुक्रवार, 05 मई, 2023 पृष्ठ : 8 मूल्य

सीएसए ने अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) की विकसित

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के तिलहन अनुभाग द्वारा अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) विकसित की है। अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तीवारी एवं डॉ महक सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यह प्रजाति नोटिफाइड हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि दिनांक 02 मई 2023 को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ टी आर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में अलसी की आजाद प्रज्ञा प्रजाति को नोटिफाइड किया गया है। डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह प्रजाति उच्च तापक्रम के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है तथा समय से बुवाई हेतु संस्तुति है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों हेतु सिंचाई दशा के लिए संस्तुति है। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि इस प्रजाति का उत्पादन 13.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। तथा 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति में 34 से 36: तेल की मात्रा पाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रजाति उकठा, पाउडरी मिलडीव, रतुआ एवं फल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है। ज्ञातव्य हो कृषि वैज्ञानिक डॉ नलिनी तिवारी, डॉ महक सिंह तथा उनकी टीम के शोध के फल स्वरुप यह प्रजाति विकसित की गई है ।निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह ने बताया कि यह प्रजाति उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने अलसी की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वर्ष-17 अंक-121 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शुक्रवार 05 मई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, एटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

सीएसए ने अलसी की नई प्रजाति आज़ाद प्रज्ञा की विकसित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के तिलहन अनुभाग द्वारा अलसी की नई प्रजाति आज़ाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) विकसित की है। अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तीवारी एवं डॉ महक सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यह प्रजाति नोटिफाइड हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि दिनांक 02 मई 2023 को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ टी आर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में अलसी की आज़ाद प्रज्ञा प्रजाति को नोटिफाइड किया गया है। डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह प्रजाति उच्च तापक्रम के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है तथा समय से बुवाई हेतु संस्तुति है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों हेतु सिंचाई दशा के लिए संस्तुति है। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि इस प्रजाति का उत्पादन 13.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। तथा 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति में 34 से 36त्र तेल की मात्रा पाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रजाति उकठा, पाउडरी

मिलडीव, रतुआ एवं फल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है। ज्ञातव्य हो कृषि वैज्ञानिक डॉ नलिनी तिवारी, डॉ महक सिंह तथा उनकी टीम के शोध के फल स्वरुप यह प्रजाति विकसित की गई है। निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह ने बताया कि यह प्रजाति उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने अलसी की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

हिंदुस्तान 05/05/2023

अलसी की नई प्रजाति 'आजाद प्रज्ञा' देगी 36 फीसदी तेल

कानपुर। अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा में अब 36 फीसदी तेल की मात्रा मिलेगी। यह फसल पूरी कीटों से मुक्त होगी। जिससे किसानों को नुकसान का खतरा नहीं होगा। अलसी की इस प्रजाति को सीएसए के वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तिवारी व डॉ. महक सिंह ने विकसित किया है। भारत सरकार से भी यह प्रजाति नोटिफाइड हो गई है, जिससे इसका उत्पादन पूरे देश में किया जा सकेगा। सीएसए विवि के तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तिवारी व डॉ. महक सिंह ने आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) को पुरानी प्रजातियों की कमियों को दूर करते हुए विकसित किया है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 299 कानपुर, शुक्रवार 05 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरुप

अलसी की नई प्रजाति आज़ाद प्रज्ञा की गई विकसित

कानपुर । सीएसए के तिलहन अनुभाग द्वारा अलसी की नई प्रजाति आज़ाद प्रज्ञा ;एलसीके 1516द्ध विकसित की है। अलसी वैज्ञानिक डॉण् नलिनी तीवारी एवं डॉ महक सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यह प्रजाति नोटिफाइड हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि 02 मई को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ टी आर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में अलसी की आज़ाद प्रज्ञा प्रजाति को नोटिफाइड किया गया है। डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह प्रजाति उच्च तापक्रम के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है तथा समय से बुवाई हेतु संस्तुति है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों हेतु सिंचाई दशा के लिए संस्तुति है। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि इस प्रजाति का उत्पादन 13ण्45 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। तथा 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति में 34 से 36: तेल की मात्रा पाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रजाति उकठाए पाउडरी मिलडीवए रतुआ एवं फ्ल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है। ज्ञातव्य हो कृषि वैज्ञानिक डॉ नलिनी तिवारीए डॉ महक सिंह तथा उनकी टीम के शोध के फ्ल स्वरुप यह प्रजाति विकसित की गई है निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह ने बताया कि यह प्रजाति उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने अलसी की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवा

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 09, अ

अलसी की नई प्रजाति आ?ाद प्रज्ञा की गई विकसित

कानपुर। सीएसए के तिलहन अनुभाग द्वारा अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) विकसित की है। अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तीवारी एवं डॉ महक सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यह प्रजाति नोटिफाइड हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि 02 मई को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ टी आर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में अलसी की आजाद प्रज्ञा प्रजाति को नोटिफाइड किया गया है। डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह प्रजाति उच्च तापक्रम के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है तथा समय से बुवाई हेतु संस्तुति है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों हेतु सिंचाई दशा के लिए संस्तुति है। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि इस प्रजाति का उत्पादन 13.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। तथा 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति में 34 से 36 प्रतिशत तेल की मात्रा पाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रजाति उकठा, पाउडरी मिलडीव, रतुआ एवं फल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है। ज्ञातव्य हो कृषि वैज्ञानिक डॉ नलिनी तिवारी, डॉ महक सिंह तथा उनकी टीम के शोध के फल स्वरुप यह प्रजाति विकसित की गई है ।निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह ने बताया कि यह प्रजाति उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने अलसी की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

हाई टेम्परेचर के लिए अलसी की नई वैराइटी

सीएसए के साइंटिस्ट्स ने डेवलप की वैरायटी, यूपी के क्लाइमेट के लिए नोटिफाइड

kanpur@inext.co.in

KANPUR (4 May): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के तिलहन अनुभाग ने अलसी की नई वैरायटी आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) डेवलप की है. वैरायटी विकसित करने वाले साइंटिस्टों में अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तिवारी और डॉ. महक सिंह हैं. बताया कि 2 मई को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ. टीआर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में वैरायटी को नोटिफाइड किया गया है. वीसी डॉ. बिजेंद्र सिंह ने वैरायटी डेवलप करने वाली टीम को बधाई दी.

128 दिनों में तैयार होती

डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह वैरायटी हाई टेंपरेचर के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है और समय से बुवाई के लिए है. यूपी के सभी क्लाइमेट में बोने के लिए यह बेस्ट है. इस वैरायटी का प्रोडक्शन 13.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर और यह 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है. डॉ. नलिनी ने बताया कि इसमें 34 से 36 परसेंट तेल की मात्रा पाई जाती है. इसके अलावा यह वैरायटी उकठा, पाउडरी मिलडीव, रतुआ और फल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है.

आजाद प्रज्ञा प्रजाति में 34% से 36% तेल निकलता

सीएसए ने अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) की विकसित

अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तीवारी, डॉ महक सिंह ने नई प्रजाति विकसित की

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के तिलहन अनभाग द्वारा अलसी की नई प्रजाति आजाद प्रज्ञा (एलसीके 1516) विकसित की है। अलसी वैज्ञानिक डॉ. नलिनी तीवारी एवं डॉ महक सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा यह प्रजाति नोटिफाइड हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि दिनांक 02 मई 2023 को आईसीएआर के उप महानिदेशक फसल विज्ञान डॉ टी आर शर्मा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय बीज विमोचन समिति की 90वीं बैठक में अलसी की आजाद प्रज्ञा प्रजाति को नोटिफाइड किया गया है। डॉक्टर नलिनी तिवारी ने बताया कि यह प्रजाति उच्च तापक्रम के प्रति प्रारंभिक अवस्था में सहिष्णु है तथा समय से बुवाई हेतु संस्तुति है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों हेतु सिंचाई दशा के लिए संस्तुति है। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि इस प्रजाति का उत्पादन 13.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। तथा 128 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति में 34 से 36त्न तेल की मात्रा पाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रजाति उकठा, पाउडरी मिलडीव, रतुआ एवं फल मक्खी के प्रति प्रतिरोधी है। ज्ञातव्य हो कृषि वैज्ञानिक डॉ नलिनी तिवारी, डॉ महक सिंह तथा उनकी टीम के शोध के फल स्वरुप यह प्रजाति विकसित की गई है ।निदेशक शोध डॉक्टर पीके सिंह ने बताया कि यह प्रजाति उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने अलसी की नवीन प्रजाति को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।